॥ श्री गणेशाय नमः ॥

श्री लक्ष्मी जी की आरती

परंपरागत

ॐ जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता।
तुमको निशदिन सेवत, हर विष्णु विधाता॥

उमा रमा ब्रह्माणी, तुम ही जग-माता।
सूर्य-चंद्रमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता॥
॥ ॐ जय लक्ष्मी माता... ॥

दुर्गा रूप निरंजनि, सुख संपत्ति दाता।
जो कोई तुमको ध्यावत, ऋद्धि-सिद्धि धन पाता॥
॥ ॐ जय लक्ष्मी माता... ॥

तुम पाताल-निवासिनि, तुम ही शुभदाता।
कर्म-प्रभाव-प्रकाशिनि, भवनिधि की त्राता॥
॥ ॐ जय लक्ष्मी माता... ॥

जिस घर में तुम रहतीं, सब सद्गुण आता।
सब संभव हो जाता, मन नहीं घबराता॥
॥ ॐ जय लक्ष्मी माता... ॥

तुम बिन यज्ञ न होते, वस्त्र न कोई पाता।
खान-पान का वैभव, सब तुमसे आता॥
॥ ॐ जय लक्ष्मी माता... ॥

शुभ-गुण मंदिर सुंदर, क्षीरोदधि-जाता।
रत्न चतुर्दश तुम बिन, कोई नहीं पाता॥
॥ ॐ जय लक्ष्मी माता... ॥

महालक्ष्मीजी की आरती, जो कोई जन गाता।
उर आनंद समाता, पाप उतर जाता॥

॥ ॐ जय लक्ष्मी माता... ॥

॥ बोलो माँ लक्ष्मी की जय ॥